>

Title: Need to develop places associated with Maharana Pratap in Rajasthan as 'Pratap Circuit'.

सुश्री दिया कुमारी (राजसमन्द): मैं सभा का ध्यान हमारे भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की चेतना एवं राष्ट्रीय चेतना एवं राष्ट्रीय स्मिता के प्रतीक पुरूष महाराणा प्रताप के जीवन की ओर आकर्षित करना चाहूंगी । महाराणा प्रताप मेवाड़ व राजस्थान के ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष के पूजनीय हैं । मेवाड़ के क्षेत्र में आने वाला हर पर्यटक महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े दर्शन लाभ लेना चाहता है और उनके जीवन के संघर्षों को समझना चाहता है । महाराणा प्रताप जीवन से जुड़े स्थल मेरे लोक सभा क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं जैसे कि कुम्भलगढ़, हल्दीघाटी, दिवेर, चावण्ड, गोगुन्दा ।

मेरा माननीय पर्यटन मंत्री जी से आग्रह है कि स्वदेश दर्शन योजना के अन्तर्गत हमारी सरकार ने विभिन्न टूरिस्ट सर्किटस को विकसित करने का कार्य किया है उसी के अन्तर्गत महाराणा प्रताप के जीवन से जड़े इन ऐतिहासिक स्थलों को प्रताप सर्किट के रूप में विकसित किया जाए तो यह ना सिर्फ मेवाड़ के विकास में सहायक होगा बल्कि राष्ट्रीयता के प्रतीक के रूप में भी हमारे मूल्यों को स्थापित करेगा । मेवाड़ का यह क्षेत्र अपेक्षाकृत पिछड़े इलाके के तौर पर जाना जाता रहा है । यह पर्यटक सर्किट इस क्षेत्र में रोजगार के नये अवसर प्रदान करने में भी सहायक बनेगा । जैसा कि सर्वविदित है कि मेवाड़ के इन स्थानों पर आवागमन के साधनों का भी अपेक्षित विकास नहीं हो पाया है । ऐसे में इस पर्यटक सर्किट के माध्यम से अवागमन के साधन विकसित होने पर इस सम्पूर्ण क्षेत्र का मार्ग प्रशस्त होगा ।